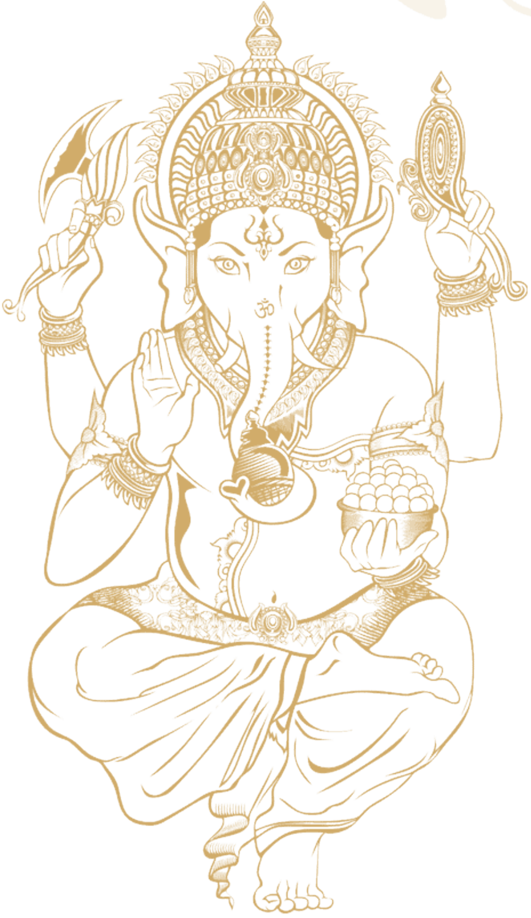

Rohit

11 Mar 1990

09:30 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb **Order No: 119266813**

लिंग : पुल्लिंग
जन्म तिथि : 11/03/1990
दिन : रविवार
जन्म समय : 09:30:00 घंटे
इष्ट : 07:19:04 घटी
स्थान : Meerut
राज्य : Uttar Pradesh
देश : India

अक्षांश : 29:00:00 उत्तर
रेखांश : 77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश : 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार : -00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार : 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय : 09:10:48 घंटे
वेलान्तर : -00:10:09 घंटे
साम्पातिक काल : 20:25:02 घंटे
सूर्योदय : 06:34:22 घंटे
सूर्यास्त : 18:24:43 घंटे
दिनमान : 11:50:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) : उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) : दक्षिण
ऋतु : वसन्त
सूर्य के अंश : 26:35:43 कुम्भ
लग्न के अंश : 24:59:45 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति : मेष - मंगल
राशि-स्वामी : सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण : पू०फाल्गुनी - 3
नक्षत्र स्वामी : शुक्र
योग : शूल
करण : बव
गण : मनुष्य
योनि : मूषक
नाड़ी : मध्य
वर्ण : क्षत्रिय
वश्य : वनचर
वर्ग : श्वान
युँजा : मध्य
हंसक : अग्नि
जन्म नामाक्षर : टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र) : रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) : मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	24:59:45	430:24:40	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
सूर्य			कुंभ	26:35:43	00:59:54	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	23:15:12	12:31:22	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			मक	05:54:36	00:44:22	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध		अ	कुंभ	19:23:16	01:49:47	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु			मिथु	07:25:28	00:02:48	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मक	11:48:56	00:48:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
शनि			धनु	29:16:22	00:04:51	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
राहु	व		मक	22:29:18	00:04:11	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	22:29:18	00:04:11	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			धनु	15:22:51	00:01:42	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
नेप			धनु	20:29:23	00:01:10	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	23:56:53	00:00:41	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			मक	10:12:56	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:25

लग्न-चलित

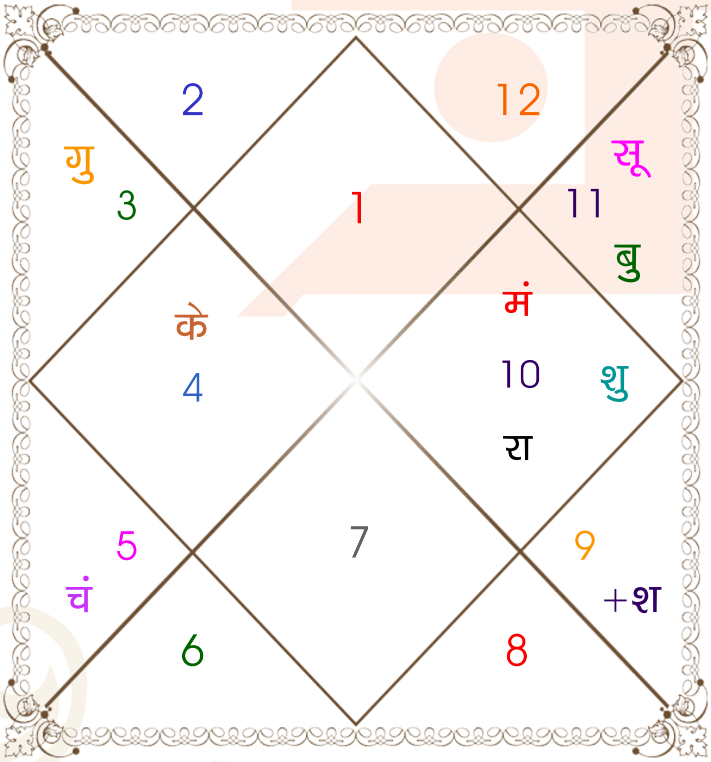

चन्द्र कुंडली

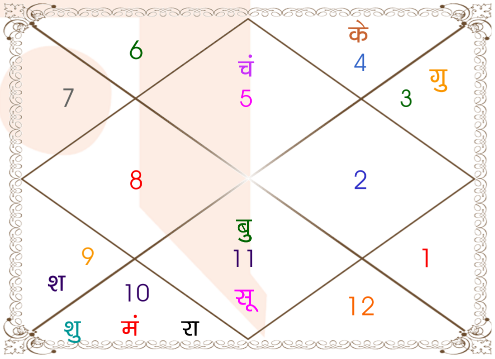

नवमांश कुंडली

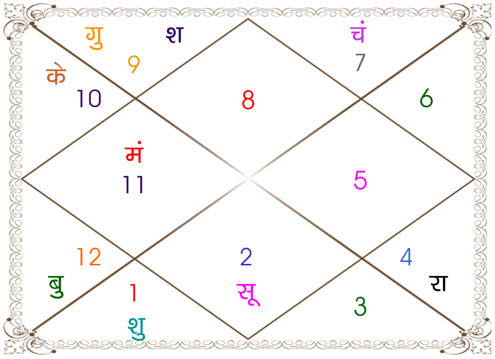

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 5 वर्ष 1 मास 13 दिन

शुक्र 20 वर्ष		**सूर्य 6 वर्ष**		**चंद्र 10 वर्ष**		**मंगल 7 वर्ष**		**राहु 18 वर्ष**	
	11/03/1990		**24/04/1995**		**23/04/2001**		**24/04/2011**		**24/04/2018**
	24/04/1995		**23/04/2001**		**24/04/2011**		**24/04/2018**		**23/04/2036**
	00/00/0000	सूर्य	12/08/1995	चंद्र	22/02/2002	मंगल	20/09/2011	राहु	04/01/2021
	00/00/0000	चंद्र	10/02/1996	मंगल	23/09/2002	राहु	08/10/2012	गुरु	30/05/2023
	00/00/0000	मंगल	17/06/1996	राहु	24/03/2004	गुरु	13/09/2013	शनि	05/04/2026
	00/00/0000	राहु	12/05/1997	गुरु	24/07/2005	शनि	23/10/2014	बुध	23/10/2028
	00/00/0000	गुरु	28/02/1998	शनि	22/02/2007	बुध	21/10/2015	केतु	10/11/2029
	11/03/1990	शनि	10/02/1999	बुध	23/07/2008	केतु	18/03/2016	शुक्र	10/11/2032
शनि	24/04/1991	बुध	17/12/1999	केतु	22/02/2009	शुक्र	18/05/2017	सूर्य	05/10/2033
बुध	22/02/1994	केतु	23/04/2000	शुक्र	23/10/2010	सूर्य	23/09/2017	चंद्र	06/04/2035
केतु	24/04/1995	शुक्र	23/04/2001	सूर्य	24/04/2011	चंद्र	24/04/2018	मंगल	23/04/2036

गुरु 16 वर्ष		**शनि 19 वर्ष**		**बुध 17 वर्ष**		**केतु 7 वर्ष**		**शुक्र 20 वर्ष**	
	23/04/2036		**23/04/2052**		**24/04/2071**		**23/04/2088**		**24/04/2095**
	23/04/2052		**24/04/2071**		**23/04/2088**		**24/04/2095**		**00/00/0000**
गुरु	11/06/2038	शनि	27/04/2055	बुध	20/09/2073	केतु	19/09/2088	शुक्र	23/08/2098
शनि	23/12/2040	बुध	04/01/2058	केतु	17/09/2074	शुक्र	19/11/2089	सूर्य	24/08/2099
बुध	31/03/2043	केतु	13/02/2059	शुक्र	18/07/2077	सूर्य	27/03/2090	चंद्र	24/04/2101
केतु	05/03/2044	शुक्र	15/04/2062	सूर्य	24/05/2078	चंद्र	26/10/2090	मंगल	25/06/2102
शुक्र	04/11/2046	सूर्य	28/03/2063	चंद्र	24/10/2079	मंगल	24/03/2091	राहु	24/06/2105
सूर्य	24/08/2047	चंद्र	26/10/2064	मंगल	20/10/2080	राहु	11/04/2092	गुरु	23/02/2108
चंद्र	23/12/2048	मंगल	05/12/2065	राहु	09/05/2083	गुरु	18/03/2093	शनि	12/03/2110
मंगल	29/11/2049	राहु	11/10/2068	गुरु	14/08/2085	शनि	27/04/2094		00/00/0000
राहु	23/04/2052	गुरु	24/04/2071	शनि	23/04/2088	बुध	24/04/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 5 वर्ष 1 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।